पैदल आस्या रे रुणिचे वाला थारी नगरी

पैदल आस्या रे रुणिचे वाला,
थारी नगरी,
पैदल आस्या रे।bd।

अजमल जी रा कंवर लाडला,
मेनादे रा जाया रे,
लाछा सुगना थारी बहना,
बीरमदे रा बीर,
पैदल आस्या रे।bd।

मायड़ बापू काका ताऊ,
हिल मिल सागे चाले रे,
भाई बहना टाबर टिकर,
सागे जावे रे,
पैदल आस्या रे।bd।

धोरा री धरती के ऊपर,
काई काई खेल रचयो रे,
भेरूडा नें मारे बाबो,
भार उतारे रे,
पैदल आस्या रे।bd।

पैदल-पैदल आशा बाबा,
गुण थारा ही गास्या रे,
नाचा गावा बाबा थारे,
चंग बजावा रे,
पैदल आस्या रे।bd।

रतनगढ़ से पैदल चलकर,
द्वारा थारे आस्या रे,
रास्ते माही बाबा थे तो,
ध्यान धरीजों रे,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

पैदल आस्या रे।bd।

रूनीचे का नाथ आपरी,
महिमा सब कोई जाने रे,
संजू तोलु पिर्न्स गोपालो,
नाचे गावे रे,
पैदल आस्या रे।bd।

पैदल आस्या रे रुणिचे वाला,
थारी नगरी,
पैदल आस्या रे।bd।

गायक – गोपाल सोनी रतनगढ़।
9982095020

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com